Sl. No. :

MHNHC-1.2

Total No. of Pages : 2

First Semester M.A. Degree Examination, June/July - 2024

(SLM Scheme) (CBCS)

हिन्दी (Hindi)

Course - II : Modern Hindi Poetry

प्रश्न पत्र - II : आधुनिक हिंदी काव्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **[4 × 5 = 20]**

1) सांसारिकता में मिलती है, यहाँ निराली निस्पृहता,
अत्रि और अनूसूया की सी होगी कहाँ पुण्य गृहता ।
मानो हे यह भुवन भिन्न ही, कृत्रिमता का काम नहीं;
प्रकृति अधिष्ठात्री है इसकी, कही विकृति का नाम नहीं ।।

2) चारूचंद्र की चंचल किरणें
खेल रही हैं जल थल में
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनि और अंबरतल में ।

3) दृष्टि का जो पेय है,
वह रक्त का भोजन नहीं है,
रूप की आराधना का
मार्ग आलिंगन नहीं है ।

4) घिरे रहे थे घुंघराले बाल
अंग अंग अवलंबित मुख के पास,
नील घन शावक से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास?

5) वह चंद्र किरीट रजत – नग
स्वंदित सा पुरूष पुरातन,
देखता मानसी गौरी लहरों का कोमल नर्तना

6) मैं न रूक पाता कहीं,
फिर लौट आता हूँ पिपासित
शून्य से साकार सुषमा के भुवन में
युध्द से भागे हुए उस वेदना – विह्वल युवक – सा
जो कहीं रूकता नहीं
बेचैन जा गिरता अकुंठित
तीर – सा सीधे प्रिया की गोद में ।

SECTION - B

II. किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[3 × 10 = 30]**

7) 'पंचवटी' का कथासार लिखते हुए , उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

8) उर्वशी महाकाव्य के आधार पर 'उर्वशी' का चरित्र – चित्रण कीजिए ।

9) कामायनी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

10) प्रयोगवाद और प्रगतिवाद का अंतर स्पष्ट करते, हुए उस काल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

11) पठित खंडकाव्य 'पंचवटी' के आधार पर गुप्त जी की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[2 × 15 = 30]**

12) महाकाव्य के तत्वों के आधार पर 'उर्वशी' का विवेचन कीजिए ।

13) कामायनी की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए ।

14) खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'पंचवटी' का विवेचन कीजिए ।

15) श्रध्दा सर्ग का सार लिखते हुए, 'श्रध्दा' का चरित्र – चित्रण कीजिए ।

⌘⌘⌘